ॐ सत आश्रम

मम सात्विक
मनुष्य च

सतग्रंथ

सतपत्र (1)

ॐ सतआश्रम

किसी भी प्रश्न के बारे में किसी भी वस्तु के बारे में पूर्णतया जानने के लिए चार पहलू होते हैं:-

1. क्या
2. क्यों
3. कब
4. कैसे

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र 2

ॐ सतआश्रम

महानवरात्रि के पावन पर्व के प्रथम दिवस पर आज हम सताश्रम के बारे में अध्ययन करेंगे

1. सतआश्रम क्या है?
2. सतआश्रम क्यों है?
3. सतआश्रम कब है?
4. सतआश्रम कैसे हैं?

www.freedomlightertrust.com

सतपत्र -3

ॐ सतआश्रम

सतआश्रम क्या है ?

एक ऐसा वैज्ञानिक पद्धति का आश्रम जिसने चमत्कारों का ,कुंडलियों का,भाग्य का ,कर्मों की गति का ,एवम सनातन के हर प्रश्न का प्रगाढ़ वैज्ञानिक संबंध बताया है।

www.freedomfightertrust.com

सतपत्र 4

सतआश्रम क्यों है?

जब कोई सतआश्रम मैं आता है तो अक्सर अपनी समस्या लेकर आता है परंतु जब उसे कुंडली की सटीकतम भविष्यवाणी मिलती है उपाय मिलते हैं तो जो आनंद भक्त अनुभव करता है उसे आनंद की अनुभूति के लिए है सतआश्रम

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र - 5

ॐ सत आश्रम

सतआश्रम कब से है

सतआश्रम कई युगों से है और कई युगों तक रहेगा , सतआश्रम के प्रणेता एवम आराध्य देव सतदेव कालभैरव ,धूमावती माई है और यह आश्रम पितृदेवों का आशीर्वाद एवम साथ प्राप्त आश्रम है।

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र - 6

ॐ सत आश्रम

सतआश्रम कैसे कार्य करता है

महाभारत कालीन मंत्र जो प्रभु श्री कृष्ण जी की आज्ञा से महाभारत के युद्ध के समय विलुप्त हो गए थे , क्योंकि उन्हें कलियुग में बुरे समय का भान था ,उन शक्तिशाली मंत्रो में से ४ की मंत्र शक्ति जो अलग अलग फ्रीक्वेंसी पर सतदेव कालभैरव,एवम धूमावती माई की आज्ञा से मिले , उनके माध्यम से स्टोन्स को अभिमंत्रित किया जाकर एवम प्राचीनतम ज्ञान से कुंडली की सटीक भविष्यवाणी से वैज्ञानिक पद्धति द्वारा भक्तों की सहायता की जाती है । आश्रम के भक्त आज विभिन्न धर्म के , उम्र के एवम पेशे से हैं ।

www.freedomfighterart.com

सतपत्र - 7 (भाग-1)
कुल भाग 3
ॐ सत आश्रम

सताश्रम के मुख्य बिंदु

1 सतदेव- कालभैरव

2 सतरक्षक- माई धूमावती

3 सतचिन्ह - पूर्वजों की अभिमंत्रित छड़ी

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र-7 (भाग 2)

ॐ सताश्रम

सताश्रम के मुख्य बिंदु

4. सतवचन-मम सात्विक मनुष्य च:

5. सतकथा- कथाएं जो जीवन की दिशा बदले

6. सतपत्र- सताश्रम का संविधान

7. सतसंदेश - सताश्रम का समाचार पत्र

www.freedomfightertrust.com

सतपत्र-**7** (भाग **3**)

ॐ सताश्रम

सताश्रम के मुख्य बिंदु

8. सतविचार- सताश्रम के शुभ विचार।

9. अभिमंत्रित सतस्टोन- मंत्रों द्वारा अभिमंत्रित स्टोन जो जीवन में परेशानियों से बचाता है।

10. सतपत्री- प्राचीन मंत्रों, श्री भृगु संहिता का एवम प्राचीन पत्रों का विज्ञान जिसको सनातन से जोड़कर सटीक भविष्यवाणी की जाती है।

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र - 8

कालभैरव, बटुक भैरव
स्वर्णाकर्षण भैरव

ॐ सतआश्रम

एक दिन ब्रह्मा ने विष्णु से कहा कि वे उन्हें सर्वोच्च निर्माता के रूप में पूजा करें। इसके फलस्वरूप ब्रह्मा थोड़े अहंकारी हो गये। इसके अतिरिक्त, वह शिव के कार्य को भूलने लगा और शिव को जो करना चाहिए था उसमें भी हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप, शिव ने अपने सिर से एक छोटा सा बाल फेंका जिसने कालभैरव का रूप धारण कर लिया और ब्रह्मा का एक सिर (कपाल) काल भैरव ने काट दिया , ब्रह्मा का अहंकार नष्ट हो गया और सत्य की स्थापना हुई । सतआश्रम में भक्तों के कल्याण के लिए कालभैरव के बाल रूप बटुक भैरव एवम धन सम्मान को आकर्षित करने वाले रूप स्वर्णाकर्षण भैरव को मुख्य रूप से पूजा जाता है।

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र -9

माई धूमावती

ॐ सतआश्रम

एक दिन मां पार्वती को बहुत भूख लगी वो भगवान शिव के पास गई तो भगवान शिव ने उन्हें अनसुना कर दिया , पार्वती मां ने भगवान शिव को खा लिया और उसके बाद उनके सारे गहने गायब हो गए एवम् वो विधवा रूप में आ गई ,और उनके शरीर से धुआं निकलने लगा , शिव भगवान माया से बहार आए और कहा की यह विधवा रूप आज से धूमावती माई के नाम से जाना जाएगा । माई धूमावती कोमल हृदय वाली और वरदान देने वाली कही जाती है। धूमावती को एक महान शिक्षक के रूप में वर्णित किया गया है, जो ब्रह्माड के परम ज्ञान को प्रकट करती है, जो शुभ और अशुभ जैसे भ्रामक विभाजनों से परे है। उनका कुरूप रूप भक्त को सतही से परे देखने, अंदर देखने और जीवन की आंतरिक सच्चाइयों की तलाश करने की शिक्षा देता है। वर्तमान में धूमावती माई का एकमात्र विग्रह मध्य प्रदेश के जिला दतिया में मां पीतांबरा शक्तिपीठ के साथ स्थित है जो कहां से लाया गया आज तक किसी को मालूम नहीं है।

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र -10

ॐ सतआश्रम

ॐ गणेशाय नमः

जय निराकार की

सतआश्रम के पितृ बहुत शक्तिशाली एवम चमत्कारिक है, यह उन्ही का आशीर्वाद है की सटीक भविष्यवाणी के माध्यम से आज लाखों जन का उद्धार हो रहा है । सतआश्रम के पितरों के आशीर्वाद से आयु, पुत्र, यश, बल, वैभव, सुख और धन-धान्य की प्राप्ति होती है।भूले हुए सारे पितृदेव क्षमा करें।

१.श्री दादा छगनप्यारा
२. श्री दादा भोजा सिंह
३.श्री दादा चोला सिंह
४.श्री दादा मोहन आले सिंह
५.श्री दादा भूरा सिंह
६. श्री दादा रामदिता
७. श्री दिए वाले दादा
८. श्री हुक्के वाले दादा
९.श्री ज्योति वाले दादा
१०. श्री दादा पोपाराम
११. श्री दादा मेघाराम
१२. श्री दादा तोताराम
१३. श्री दादा मंसाराम
१४. श्री दादा तुलसाराम
१५. श्री दादा जस्सा
१६. श्री दादा रामदास
१७. श्री दादा ईश्वर दास
१८. श्री दादा संतूराम
१९. श्री दादा पन्नूराम
२०. श्री दादा नेभाराम

www.freedomrightstrust.com

ॐ गणेशाय नमः

जय धूमावती माँ

सतपत्र - **11**

सतपत्री क्या है?

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः

जय पितृदेवों की

जय गुरुजी महाराज ॐ सतआश्रम जय गुरुजी

सनातन विज्ञान से पूरी तरह परिपूर्ण है **,**ब्रह्मांड की कॉस्मिक ऊर्जा **,** सकारात्मक फ्रीक्वेंसी**(**तरंगों**)** की समझ, उस ऊर्जा से खुद को लाभ पहुंचाने की समझ इसी सनातन की देन है। यह सतपत्री आपके जीवन का आपके भूत, वर्तमान,भविष्य का एक लेखा-जोखा है। आपके भाग्य का**,**आपके कर्मों का प्रतिबिंब है। प्राचीन वैदिक शास्त्रों द्वारा ज्योतिषी के समस्त ज्ञान की समझ को एकाकार करते हुए जन्म कुंडली का निर्माण एवं उपाय ही सतपत्री में निहित है। प्रारंभ करने के पूर्व भचक्र को समझना महत्वपूर्ण है। भचक्र को राशिचक्र भी कहते है।राशि चक्र में पहला नक्षत्र है अश्विनी नक्षत्र **,** इसके पश्चात भरणी नक्षत्र **,** इसके पश्चात कृतिका नक्षत्र कुल २७ नक्षत्र है। एक राशि ढाई नक्षत्र से बनती है, उदाहरण के लिए पहले दो नक्षत्र अश्विनी और भरणी से मेष राशि का निर्माण होता है। वैदिक ज्योतिष में राशिचक्र एवं उसमें स्थित ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति द्वारा कुंडली का निर्माण होता है । अगर यह सटीकतम हो तो जातक की स्थिति **,**परिस्थिति **,** नीयत **,**नियति का अनुमान सटीक पता लगता है । सतपत्री के माध्यम से जातक की राशि का सटीक अनुमान लग पाता है।

www.freedomfightertrust.com

ॐ गणेशाय नमः
जय धूमावती माँ

सतपत्र-12

सेवा परमो धर्मः

ॐ बं बटुक भैरवाय नमः
जय पितृदेवों की

जय गुरुजी महाराज

ॐ सतआश्रम

जय गुरुजी

भाग्य और कर्म में से क्या प्रधान होता है ?

अगर आपका भाग्य उच्च है ,और कर्म नीच का तो भी आपको गति नहीं मिलेगी और अगर आपका कर्म उच्च का है और भाग्य नीच का तो भी आपको सतमार्ग नहीं मिलेगा। यह भाग्य था एक लकड़हारे का कि उसे पूरी पृथ्वी पर अपना एक साम्राज्य स्थापित करना है और यह कर्म करवाए श्री चाणक्य ने की उसने नंद वंश के शासक धनानंद को हराकर श्री चंद्रगुप्त मौर्य की उपाधि प्राप्त की। आप निसंदेह अपने भाग्य के साथ बदलाव नहीं कर सकते, परंतु अपने कर्मों की गति बदलते हुए ,सेवा भाव रखते हुए अपने आने वाले भाग्य को संवार भी सकते हैं और सकारात्मक भी कर सकते हैं।

www.freedomfightertrust.com

सतपत्र-13

ॐ सताश्रम

पाप और पुण्य!

किसी भी कर्म को करते समय अगर आपकी आत्मा को आत्मग्लानि का अनुभव हो रहा है, किसी और की आत्मा आपके माध्यम से दुःख का अनुभव कर रही है ,किसी कर्म से आपको शारीरिक ,मानसिक एवं आत्मिक कष्ट हो रहा है या किसी और को आपके माध्यम से शारीरिक, आत्मिक और मानसिक कष्ट हो रहा है तो वह कर्म ही पाप है बाकी सब पुण्य।

www.freedomlighttrust.com

सतपत्र -14

ॐ सताश्रम

सतआश्रम में चमत्कार विज्ञान को ही कहते हैं, सतआश्रम का इतिहास 2000 वर्ष पुराना है। और सतआश्रम में होने वाली हर एक घटना जिसका सतआश्रम को बनाने में योगदान रहा है, उन्हें भी गुरु महाराज जी की आज्ञा से सतपत्रों में निहित किया गया है ।उनमें से एक घटना सफेद गिलहरी का दिखना था।जब सताश्रम का भौतिक संसार में प्रारंभ हो रहा था तो सफेद गिलहरी को देखने के पश्चात कुल ऐसे 15 वृतांत हुए। जिसके बाद सतआश्रम का आना तय हो चुका था। सतआश्रम किसी इंसान की सोच नहीं थी।यह उस निराकार का,श्री गणेश भगवान का, श्री बटुक भैरव का,श्री धूमावती माई का, श्री पितृ देवों का ,श्री गुरुजी महाराज का,श्री गुरुजी का आशीर्वाद का है एवं मानव और जीव कल्याणार्थ के लिए एक पहल है। ॐ सतआश्रम।।

सतपत्र - 15

ॐ सतआश्रम

पृष्ठ **1** (कुल पृष्ठ **2**)

सतआश्रम में जब भी कोई भक्त आता है तो उसे केवल उसका चेहरा देखकर, बहुत बार हाथ देखकर ,बहुत बार चेहरे की रेखाएं देखकर भविष्यवाणी दी जाती थी। और इसका कोई मूल्य भी नहीं लिया जाता था। परंतु जब इसका कोई मूल्य नहीं लिया जाता था तो इसका भार भक्त के ऊपर रहता है और सताश्रम के लिए भी शुभ नहीं है। इस कारण सतपत्री का निर्माण किया गया, जिसमें भूत, वर्तमान ,भविष्य की सारी प्रिडिक्शंस एवं आगामी पूरे जीवन के उपाय निहित है। उन उपायों को करके और अभिमंत्रित सतस्टोंस किसी भी भक्त का भाग्य नहीं बदल सकते परंतु यह जरूर है कि किसी भी आने वाले संकट- परेशानी के लिए कवच रूपी बनकर भक्त के लिए तैयार हो जाते है , तो भक्त पर जो संकट आने होते है वह संकट टलते नहीं परंतु बहुत कम हो जाते है , ऐसे ही अगर किसी भक्त का जीवनकाल इस पृथ्वी पर नहीं रह गया है , तो उपाय एवम अभिमंत्रित सतस्टोन इतने ज्यादा शुभ और शक्तिवान हैं की

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र - 15

ॐ सतआश्रम

उनके कारण प्रभु की शरण में गति मिलना तय है। अगर सतपत्री में शुभ फल है तो भक्तों को अभिमंत्रित स्टोन के एवम उपायों के माध्यम से शुभ फल का भी उत्तम फल मिलना तय है। सतपत्री का एक मूल्य निर्धारण किया गया है **5100/-** रुपए मात्र।

और अभिमंत्रित शक्तिवान सतस्टोंस का मूल्य भी नाममात्र रखा गया है ।अगर आप केवल उपाय करोगे तो भी आपको शुभ फल मिलेगा परंतु अभिमंत्रित सतस्टोंस से वह शुभ फल १०० प्रतिशत सटीकतम आपको प्राप्त होगा। अगर आप एक डाक्टर हो और आपके हॉस्पिटल में कोई पीड़ित आता है उसके बाद आप इसका पूरा डायग्नोसिस करते है और आप पीड़ित हो बताते है की दवाई से ठीक हो पाएंगे । परंतु पीड़ित दवाई का खर्चा सुनकर इलाज नहीं करा पाता ।और कुछ मूल्य के कारण बीमारी को बड़ा लेता है । ठीक उसी तरह जब आप हॉस्पिटल रूपी सत आश्रम में बीमारी रूपी कुंडलीदोष दिखाने आते है परंतु कुछ मूल्य के कारण इलाज रूपी अभिमंत्रित सतस्टोंस नहीं ले पाते तो वह डॉक्टर रूपी सतपुरुषों के लिए चिंता का विषय बन जाता है ।क्योंकि आपको जानने के बाद कोई नहीं चाहेगा की आप किसी कष्ट में रहो।

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र-16

ॐ सतआश्रम

गुरुजी महाराज के अनुसार सतयुग की बात है हिम युग के बाद आज के मनुष्य या अंग्रेजी में जिन्हे होमो सीपिएंस कहा जाता था प्रकट हुए । सतयुग का समय था। पाप ना के बराबर था। उस समय कैलाश पर्वत पर एक आदियोगी प्रकट हुए उनकी आभा बहुत मजबूत थी। और वो तपस्या में लीन पाए गए । लोग उनके पास आते और उनकी आभा या ओरा से प्रभावित होते। दिन महीने में और महीने सालों में बदलते रहे । पीढ़ियां निकल गई और कई राजपाट आए और गए । ११०० वर्ष बाद जब उन्होंने आंख खोली तो बहुत सारे पशु,पक्षी , जीव, इंसान आस-पास दिखे । सबने इस महायोगी से पूछा की प्रभु आप कौन है ? तो उस महायोगी ने कहा "मम सात्विक मनुष्य च:" अर्थात "में एक सात्विक मनुष्य हूं।" जब भक्त इस मंत्र का जाप करते है और अभिमंत्रित सतस्टोन के साथ करते है तो वह आत्मिक , शारीरिक , और मानसिक सिद्ध होते है । प्रयोजन , मनोकामनाएं पूर्ण होती है । और जितना भी सत या शुभ संदेश आपके मुख से बाहर आता है उतना ही शुभ आपको ब्रह्मांड से मिलता है ।

www.freedomlightertrust.com

सतपत्र-17

ॐ सताश्रम

सतआश्रम सबका भला करे ।

हजारों लाखों भक्तों को सतआश्रम के एवम अभिमंत्रित सतस्टोन के माध्यम से शुभ फल प्राप्त होता है, आने वाले कष्ट टाल जाते हैं,परेशानियां हर ली जाती हैं ,आने वाली पीढियां में पितरदोष नहीं रहते एवं सुख-शांति का अनुभव होता है । परंतु जैसे आप जल में जब केसर का एक टुकड़ा डालते हैं तो उस केसर से पूरे जल में अच्छी आभा, सुगंध एवं रंग का प्रवाह होता है ,वैसे ही जब आप सताश्रम एवं अभिमंत्रित सतस्टोन के बारे में लोगों को जागृत करते हैं तो प्रभु इससे आनंद का अनुभव करते हैं। और जब प्रभु आनंद का अनुभव करेंगे तो उनके भक्त तो उच्च आनंद का अनुभव करेंगे ही। इसीलिए सभी भक्तों को आदेश एवं आग्रह है कि आप सबका भला जिस गति से हो रहा है इस बारे में और मनुष्यों को जागृत करो जिससे वह सब भी सतआश्रम का लाभ उठा पाएं और एक सात्विक जीवन जी पाएं।

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र-18

ॐ सताश्रम

समय और समय चक्र

समय एक आयाम है, एक ऐसा आयाम जो सबके लिए अलग होता है परंतु फिर भी एक जैसी प्रवृत्ति दिखाता है। आज समय अगर आपका है तो आपके अनुरूप व्यवहार करेगा और आपका नहीं है तो आपके विपरीत व्यवहार करेगा। परंतु यह समय अपनी प्रवृत्ति नहीं बदलता अपितु आपकी प्रकृति बदल देता है। समय और समयचक्र जिसे अंग्रेजी में टाइमलाइन भी कहते हैं आप अपने कर्मों के माध्यम से स्वत: ही बदल सकते हैं। पहला मानव जीवन सतयुग में जब किसी को भी प्राप्त हुआ था तब उसके द्वारा किए गए कर्म उसके आगामी जन्मों के भाग्य को निर्धारित कर चुके थे। और इसी के साथ आगे की जीवन रेखा या समयचक्र भी निश्चित हो गई थी। मान लीजिए की आपके भाग्य में एक उच्च कोटि का अधिकारी नियुक्त होना लिखा है, परंतु आप गलत व्यभिचार करके, गलत आचरण करके किसी तरह से कारागृह में पहुंच जाते हैं तो अपने अपने अच्छे भाग्य के फल को अपने कर्म के द्वारा एवं अपनी समयचक्र के द्वारा बदल दिया है। इसीलिए सत आश्रम और अभिमंत्रित सब स्टोन आपकी रक्षा जरूर करेगा, परंतु कर्म आपको खुद निर्धारित करने हैं।

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र—19

ॐ सतआश्रम

पृष्ठ 1(कुल पृष्ठ 3)

महाभारतकालीन और द्वापरयुग कालीन कुल **4** मंत्र थे जो एवं श्री गणेश जी के,आश्रम के सभी देवों एवम श्री गुरु महाराज जी की कृपा के आशीर्वाद से सताश्रम को प्राप्त हुए। उनमें से दो मंत्र सतस्टोन को अभिमंत्रित करने के लिए एवं दो मंत्र रक्षा के लिए हैं। अभिमंत्रित सत स्टोन्स कुल चार रंग वर्णों में है।उनमें से पहला रंगवर्ण है हरा जिसका मूल्य **₹5100/—** रुपए मात्र है। उसके बाद दूसरा रंगवर्ण लाल है जिसका मूल्य **₹11000/—** है । इसके पश्चात प्रदीप्ति रंग वर्ण है जिसका मूल्य **₹21000/—** है। और इसके पश्चात सफेद रंग वर्ण का अभिमंत्रित स्टोन है जिसका मूल्य **₹51000/—,1** लाख **,3** लाख रुपए मात्र है। ₹ **51000/—** तक के सभी सतस्टोन अभिमंत्रित होने वाले मंत्रो में से दूसरे मंत्र से अभिमंत्रित होते हैं। परंतु अगर किसी की कुंडली में पितृदोष प्रगाढ़ है, पाप ग्रह कुंडली पर भारी पड़ चुके हैं एवं कर्म और भाग्य दोनों नीच है तब मन, बुद्धि एवं संस्कार की गति संभालने के लिए एवं जातक को धर्म ,अर्थ ,काम ,मोक्ष के चारों संस्कारों में निहित करने के लिए सफेद अभिमंत्रित सतस्टोन जो पहले **10** लाख सतमंत्रो से अभिमंत्रित हैं

www.freedomlighter trust.com

सतपत्र— 19

ॐ सतआश्रम

एवं **21** लाख बार मंत्रों से अभिमंत्रित हैं ,उन्हें क्रमशः **1** लाख एवं **3** लाख के मूल्य में दिया जाता है। अभिमंत्रित सतस्टोन का रंग वर्ण केवल इसलिए निर्धारित किया जाता है जिससे सतआश्रम को एवं जातक को यह समझने में आसानी हो कि वह अभिमंत्रित स्टोन कितनी बार अभिमंत्रित किया गया है। जो हर अभिमंत्रित सतस्टोन है वह हरे रंग वर्ण के सतस्टोन को एक लाख बार, लाल अभिमंत्रित सतस्टोन को **2** लाख बार , प्रदिप्ति रंग वर्ण के सतस्टोन को **3** लाख बार एवं सफेद रंग वर्ण के अभिमंत्रित सतस्टोन को **5** लाख बार अभिमंत्रित किया गया है। श्री गणेश जी के आशीर्वाद से , श्री बटुक भैरव जी के आशीर्वाद से , माता धूमावती के आशीर्वाद से , श्री पितृदेवों के आशीर्वाद से , श्री गुरुजी महाराज के आशीर्वाद से , श्री गुरुजी के आशीर्वाद से,एवं सताश्रम के आदेश से यह पुनः बताया जा रहा है कि जो नियति में राम ने लिख दिया वह तो होगा ही परंतु उदाहरण के लिए जब आप घर से निकलते हैं कहीं भी बाहर जाने के लिए अगर श्री राम ने एक्सीडेंट लिखा है

www.freedomfighterstrust.com

सतपत्र– 19

ॐ सतआश्रम

तो वह तो होगा ही ,परंतु अभिमंत्रित सतस्टोन उस समय एक हेलमेट का कार्य करेगा जो आपको किसी गंभीर दुर्घटना से बचाएगा । कर्म और भाग्य दोनों ही प्रधान है। सताश्रम के उपाय एवं अभिमंत्रित सतस्टोन तभी आपकी वस्तुस्थिति पर उपयोगी साबित होंगे, जब आप अपने कर्मों को सद्गति के मार्ग पर रखेंगे और उससे ही आपका भाग्य प्रगाढ़ होता जाएगा। आपके पूर्व जन्म के कर्मों से आपके इस जन्म का भाग्य निर्धारण हो चुका है।परंतु सताश्रम आपके पूर्व जन्म के कर्मों की गति को सुधारने का कार्य भी करेगा, आपको यश ,बल ,वैभव ,शांति ,मनोकामना की पूर्ति देगा एवं आपके परिवारजन का कल्याण करेगा। सतआश्रम के अभिमंत्रित सतस्टोन आपको अमर नहीं बनाते ।परंतु आपके जीवन को एक नई दिशा देने में बहुत बड़ा सहयोग एवं आशीर्वाद प्रदान करते हैं ।ईश्वर आपकी रक्षा करें ।।

www.freedomfightertrust.com